प्रादर्श प्रश्न पत्र 2011
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – बारहवीं

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए $1 \times 5 \times 5 = 25$ अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 15 तक में प्रत्येक का उत्तर लगभग 50 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 16 से 20 तक में प्रत्येक का उत्तर 100 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 का उत्तर लगभग 250/300 शब्दों में लिखिए। इसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. गांधी जी ने.....को पत्र लिखा था।
   (पुत्र/पिता)
2. यशोधरा के पति का नाम.....था।
   (सिद्धार्थ/राहुल)
3. 'घनश्याम' शब्द में.....समास है।
   (द्विगु समास/कर्मधाराय समास)
4. 'सूरदास ने श्रीकृष्ण के.....का वर्णन किया है।
   (बालरूप/युवारूप)

5. भारतीयों को.....रूप माना गया है।

(ब्रम्हा का/विष्णु का)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कर लिखिए –

(1) 'जूही की कली' कविता रचना है –

(अ) निराला की (ब) जयशंकर प्रसाद की

(स) सुमित्रानंदन पंत की (द) महादेवी वर्मा की

(2) 'माँ' में पृथ्वी तत्व का गुण निहित है–

(अ) विशालता (ब) साहस

(स) धैर्य (द) ओज

(3) कन्याकुमारी मंदिर है –

(अ) काली का (ब) दुर्गा का

(स) पार्वती का (द) सरस्वती का

(4) सिरचन पात्र है –

(अ) 'ठेस' कहानी का (ब) 'तीन बच्चे' कहानी का

(स) 'माँ' कहानी का (द) 'बीमार का इलाज' कहानी का

(5) अर्थ के अनुसार वाक्य के भेद है –

(अ) आठ (ब) सात

(स) पांच (द) छः

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य छांटकर लिखिए –

1. हर पुस्तक को उसका पाठक मिलना चाहिए।
2. मोहन भोजन कर रहा है, साधारण वाक्य है।
3. विषय के आधार पर निबंध के छः भेद होते है।
4. 'भूषण' महाराजा शिवाजी के राज्याश्रयी थे।
5. 'दूध का मूल्य' एकांकी विधा में लिखा गया पाठ है।

प्रश्न 4. स्तंभ ''क'' से ''ख'' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	**ख**
(1)	दशमलव पद्धति	–	सिद्धार्थ को
(2)	यशोधरा ने वसंत कहा है	–	इच्छासूचक
(3)	किसी प्रकार की इच्छा प्रकट हो	–	बाजे घना
(4)	एक से अधिक अर्थ देने वाले	–	आर्य भट्ट
(5)	थोथा चना	–	अनेकार्थी
		–	भास्कराचार्य
		–	आज्ञावाचक

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए –

1. लोकोक्ति किसे कहते है?
2. 'सूत' एवं 'सूद' का अर्थ बताइए?
3. 'धरती का ताज' किसे कहा गया है
4. राष्ट्र माता किसे कहते है?
5. 'मेरे सपनों का भारत' के लेखक कौन है?

प्रश्न 6. यशोधरा की निजी व्यथा लोक व्यथा क्यों बन गई?

अथवा

''हम कहां जा रहे है' कविता के माध्यम से कवि सुदर्शन क्या संदेश देना चाहते है?

प्रश्न 7. यशोदा ने कृष्ण को वन की क्या–क्या कठिनाइयां बताई?

अथवा

शिशु के छिनने पर सिंही और मेषमाता के व्यवहार में क्या अंतर होता है?

प्रश्न 8. कवि माँ से क्या कामना करता है?

अथवा

हिमालय से हमारे संबंध कौन–कौन से है?

प्रश्न 9. रवीन्द्रनाथ टैगोर को सौंदर्य की अनुभूति कैसे हुई?

अथवा

आर्य भट्ट की भारत को क्या देन है?

प्रश्न 10. समय की पाबंदी के संबंध में गांधी जी का क्या मत था? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

चेन्नई में हिन्दी प्रचार सभा क्या–क्या कार्य कर रही है?

प्रश्न 11. कस्तूरबा को तेजस्वी महिला क्यों कहा गया है?

अथवा

बल की दृष्टि से पश्चिमी देश और भारत में क्या अंतर है?

प्रश्न 12. भारतेन्दु युग की दो विशेषताएं लिखिए एवं इसी युग के दो लेखकों के नाम एवं उनकी एक–एक रचना का नाम लिखिए।

अथवा

शुक्लोत्तर युग की दो विशेषताएं बताते हुए उस युग के दो प्रमुख निबंधकारों के नाम एवं उनकी एक–एक रचना का नाम लिखिए।

प्रश्न 13. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(1) अक्ल का दुश्मन।

(2) लोहा लेना।

(3) नौ दो ग्यारह होना।

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

(1) वह अपराधी दंड देने योग्य है।

(2) आप बैठो।

(3) भाई–बहिन खेल रही है।

प्रश्न 14. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्द–युग्मों को अलग–अलग अर्थों में प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइये।

(1) अतुल–अतल

(2) आकर–आकार

(3) कुल–कूल

(ब) निम्नलिखित में से कोई दो वाक्य सम्मुख दर्शाए निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए।

(1) विद्वानों का सभी आदर करते हैं।

(मिश्र वाक्य)

(2) वह फल खरीदने के लिए बाजार गया।

(संयुक्त वाक्य)

(3) कितना अद्‌भुत दृश्य है।

(विस्मयादि बोधक वाक्य)

प्रश्न 15. निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक का भाव पल्लवन कीजिए।

(अ) बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है।

(ब) करत–करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।

प्रश्न 16. वर्षा होने पर लेखिका के मन में अपने बच्चों एवं पुल के नीचे रहने वाले बच्चों के बारे में क्या–क्या विचार आये?

अथवा

गांधी जी ने अपने पुत्र को पत्र में प्रार्थना के संबंध में क्या लिखा था? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 17. निम्नांकित पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

देनहार कोउ और है, भेजत सो दिन रैन।
लोग भरम हम पै धरै, याते नीचे नैन।।

अथवा

साजि चतुरंग सैन अंग मैं उमंग धारि,
सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत हैं।
भूषन भनत नाद बिहद नगारन के,
नदी नद मद गैबरन के रलत हैं।।

प्रश्न 18. निम्नांकित अपठित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

जब तक मन में दुर्बलता है,
दुख से दुख, सुख से ममता है।
पर न सदा रहता जग में सुख,
रहता सदा न जीवन में दुख।

छाया से माया से दोनों,
आने–जाने हैं ये सुख–दुख।
मन भरता, मन पर क्या इनसे,
आत्मा का अभाव भरता है।

प्रश्न 1. उपरोक्त पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए?

प्रश्न 2. सुख–दुख की क्या विशेषताएं है?

प्रश्न 3. उपरोक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 19. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

आदर्श व्यक्ति कर्मशीलता में ही अपने जीवन की सफलता समझता है। जीवन के प्रत्येक क्षण में वह कार्यरत रहता है। विश्राम और विनोद के लिए उसके पास निश्चित समय रहता है। शेष समय राष्ट्र एवं समाज के प्रति समर्पित होता है। कर्मशील व्यक्ति हाथ पर हाथ रखकर बैठने को मृत्यु से भी बुरा समझता है। उसमें कर्म करने की लगन व उत्साह अत्यधिक मात्रा में होता है। धैर्य के बल पर वह बड़े–बड़े पर्वतों को खोदकर ढहा देता है। कंटकाकीर्ण राह पर चलने में वह संतोष अनुभव करता है। वह दुख और सुख को समान समझता हुआ परिस्थितियों को अपना दास बना लेता है।

प्रश्न 1. उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 3. व्यक्ति परिस्थितियों को अपना दास किस प्रकार बना लेता है?

प्रश्न 20. पिता जी को एक पत्र लिखिए जिसमें आपकी अध्ययन संबंधी जानकारी का उल्लेख हो।

अथवा

सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल को 10वीं बोर्ड परीक्षा की द्वितीय अंकसूची प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

प्रश्न 21. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. राष्ट्रीयता के आधार।
2. आतंकवाद से जूझता भारत
3. विज्ञान एवं कम्प्यूटर
4. राष्ट्र निर्माण में छात्रों का योगदान
5. जल ही जीवन है।

– – – – – –

आदर्श उत्तर
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. पुत्र।
2. सिद्धार्थ।
3. कर्मधारय।
4. बालरूप।
5. ब्रह्म

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन –

(1) निराला।

(2) धैर्य।

(3) पार्वती का

(4) ठेस कहानी का।

(5) आठ

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सत्य/असत्य का चयन–

(1) सत्य।

(2) सत्य।

(3) असत्य।

(4) सत्य।

(5) असत्य।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सही जोडियां –

	क	–	ख
(1)	दशमलव पद्धति	–	आर्य भट्ट
(2)	यशोधरा ने वसंत कहा है	–	सिद्धार्थ को
(3)	किसी प्रकार की इच्छा प्रकट हो	–	इच्छासूचक
(4)	एक से अधिक अर्थ देने वाले	–	अनेकार्थी
(5)	थोथा चना	–	बाजे घना

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर –

1. लोक में प्रचलित युक्ति को लोकोक्ति कहते है।
2. 'सूत' का अर्थ धागा एवं 'सूद' का अर्थ ब्याज होता है।
3. धरती का ताज हिमालय को कहा गया है।
4. राष्ट्र माता कस्तूरबा को कहा है।
5. मेरे सपनों का भारत के लेखक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम है।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. ऋतु परिवर्तन के कारण लोगों को होने वाले कष्ट एवं यशोधरा की विरह वेदना के कष्टों में कवि ने समानता दिखाई है। उदाहरण के लिए ग्रीष्म ऋतु में धूप से आने पर व्यक्ति की आंखों में अंधकार छा जाता है, पसीना छूटने लगता है। यशोधरा के नेत्रों में भी अंधकार छा गया है। विरह के कारण रो–रोकर उसका शरीर शिथिल हो गया है एवं ठंडे पसीने छूटने लगे हैं।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवि इस कविता के माध्यम से यह संदेश देना चाहता है कि हम छद्म प्रवृत्तियों को उतार फेंके। पाश्चात्य सभ्यता और संस्कृति का अंधानुकरण बंद करें। भारतीय विरासत और सांस्कृतिक निष्ठा दुनिया में श्रेष्ठ है। आवश्यकता इनकी श्रेष्ठता को पहचानने की है। कविता के माध्यम से कवि ने भारतीय परंपराओं की विशालता, उदात्तता, समन्वय क्षमता के महत्व को स्थापित करने का प्रयास किया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. यशोदा ने कृष्ण की गोचारण की जिद को टालना चाहा। माता यशोदा ने कृष्ण को वन की कठिनाइयां बताते हुए कहा कि मेरे लाड़ले कृष्ण अभी तुम्हारे पैर बहुत छोटे–छोटे है। तुम गायों के पीछे–पीछे वन में कैसे भटकोगे? सुबह से लेकर शाम तक तुम्हें पैदल चलना पड़ेगा। जो लोग गाये चराने जाते है वे प्रातः निकलते है और संध्या होने पर ही लौटते है। तुम्हारा कमल के समान कोमल शरीर मुरझा जाएगा।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

जब सिंहनी से कोई उसका बच्चा छीन लेता है तब वह शत्रु पर टूट पड़ती है और उस पर हमला कर घायल कर अपने बच्चे को बचा लेती है, लेकिन भेड़ से कोई उसका बच्चा छीन लेता है तो असहाय, भोली तथा निरीह होने के कारण कुछ नहीं कर पाती एवं शत्रु से अपने नन्हें बालक को छीनने में असमर्थ होने पर सिर्फ आंसू बहाती रहती है। अंततः वह अपने बच्चे की रक्षा नहीं कर पाती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. कवि बालकवि 'बैरागी' माँ से यह कामना करते हैं कि वह उसे ऐसी शक्ति प्रदान करें कि जिससे जीवन की कठिनाइयों और आपदाओं पर विजय प्राप्त कर सकें। कष्टों और परेशानियों में भी सदैव प्रसन्न रहे। देश की प्रगति उन्नति के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहें। जीवन के समस्त विरोधों के बीच मानव में सदैव स्वाभिमान बना रहे तथा कष्टों में भी प्रसन्नता बनी रहे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. हिमालय पर्वत पर जिस प्रकार प्रभात और संध्या की लालिमा समान होती है अर्थात हिमालय का सौंदर्य दोनों समय एक समान होता है उसी प्रकार भारतीय सुख दुख को समान भाव से ग्रहण करते हैं।
2. हिमालय के पर्वत की भांति भारतवासी भी अटल अडिग और अविचल है।
3. हिमालय भारत के प्राकृतिक सौंदर्य का प्रतीक ही नहीं वरन भारतीयों के स्वाभिमान का भी प्रतीक है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. खिड़की–दरवाजों से ठंडी हवा का झोंका आया और टैगोर जी का तन बदन चांदनी में नहा गया। इस प्राकृतिक मनोहारी सौंदर्य को देख वे इतने अभिभूत हो गए कि उनके मुख से अकस्मात निकल पड़ा कि – ''यह है सौंदर्य।'' वस्तुतः सौंदर्य को शब्दों के माध्यम से नहीं बल्कि अनुभव के माध्यम से समझा जा सकता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

आर्य भट्ट ने किसी वृत्त की परिधि और व्यास के अनुपात को पाई के रूप में परिभाषित किया और दशमलव के चार अंकों तक इसका शुद्ध मान बतलाया था। आर्य भट्ट ने ही कहा था कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. समय की पाबंदी से व्यक्ति जीवन में विकास और उन्नति कर सकता है। वक्त की पाबंदी जीवन में बड़ी सहायक सिद्ध होती है महात्मा गांधी अपने पुत्र से भी समय की पाबदी की अपेक्षा करते थे। गांधी जी का कहना था कि नियम पूर्वक सूर्योदय से पूर्व एवं सांयकाल निश्चित समय पर प्रार्थना जीवन में मार्गदर्शक सिद्ध होती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

चेन्नई में हिन्दी प्रचार सभा दक्षिण में हिन्दी की विद्यापीठ का कार्य कर रही है। यहां से हिन्दी के कई अध्यापक, अध्यापिकाएं प्रतिवर्ष शिक्षाग्रहण कर दक्षिण के अनेक स्कूल और कॉलेजों में हिन्दी अध्यापन का कार्य कर रहे हैं। दक्षिणी भारत में हिन्दी के प्रचार प्रसार का महत्वपूर्ण कार्य हिन्दी प्रचार सभा कर रही है। दक्षिण में कई अहिन्दी भाषी लोग हिन्दी के प्रचार–प्रसार में अपना योगदान दे रहे है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. कस्तूरबा को तेजस्वी महिला इसलिए कहा जाता है क्योंकि एक बार जब दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने उन्हें जेल भेज दिया तो उन्होंने न अपना बचाव किया और न ही सरकार से कोई निवेदन किया। उन्होंने कहा– मुझे तो यह कानून तोड़ना ही है जो यह कहता है कि मैं महात्मा की पत्नी नहीं हूँ। इतना कहकर

वे सीधे जेल चली गई। सरकार ने उनकी तेजस्विता को तोड़ने की बहुत कोशिश की किन्तु वे अड़ी रही। उन्होंने जीवन में कभी हार नहीं मानी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बल की दृष्टि से पश्चिम और भारत में पर्याप्त अंतर है। पश्चिम शारीरिक बल का उपासक है और भारत आत्मबल अर्थात् आत्मिक बल को महत्व देता है। पश्चिम ने भौतिक संसाधनों में शारीरिक बल वृद्धि को बढ़ाया तथा सुख के विस्तार के लिए प्रयत्न किया। जबकि भारत ने त्याग, बलिदान एवं कठिन संयम साधना से आत्मा को निखारा है। इसी आत्मिक बल पर बुद्ध एवं गांधी ने संसार को अपना बनाने का गौरव प्राप्त किया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. भारतेन्दु युग की दो विशेषताएं निम्नानुसार है :–

1. समाज सुधार पर विशेष बल दिया गया।
2. मुक्त हास्य व्यंग्य की प्रधानता रही।
3. सामाजिक जीवन की विकृतियों एवं जर्जर मान्यताओं पर प्रहार किया गया।

निबंधकार		**रचनाएं**
1. भारतेन्दु हरिशचन्द्र	–	स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन, पांचवे पैगंबर, कंकड़–स्त्रोत।
2. बाल कृष्ण भट्ट	–	आत्म निर्भरता, खटका, बालविवाह।
3. प्रताप नारायण मिश्र	–	वृद्ध, दांत, पेट, मुच्छ।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

शुक्लोत्तर युग के निबंधों की विशेषताएं निम्नानुसार है :–

1. नए शिल्प और नवीन अभिव्यंजना।
2. व्यंग्य की धारा प्रवाहमान रही।
3. सामाजिक मूल्यों का रेखांकन।
4. इस युग में कलात्मक और ललित निबंधों की रचना हुई।

निबंधकार		**रचनाएं**
1. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी	–	अशोक के फूल।
2. डॉ. नागेन्द्र	–	विचार और वितर्क।
3. आचार्य नंददुलारे बाजपेयी	–	बीसवीं शताब्दी।
4. डॉ. शांतिप्रिय द्विवेदी	–	जीवन यात्रा।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. (अ) मुहावरों का अर्थ :–

1. अक्ल का दुश्मन – अज्ञानी।

   वाक्य– मनोहर ने कई निर्णय गलत ले लिए तभी लोग उसे अक्ल का दुश्मन कहते है।

2. लोहा लेना – संघर्ष करना।

   वाक्य– लक्ष्मी बाई ने नारी होते हुए भी सबल अंग्रेजों से लोहा लिया।

3. नौ दो ग्यारह होना – भाग जाना।

   वाक्य– आहट पाते ही बिल्ली दूध छोड़कर नौ दो ग्यारह हो गई।

(ब) वाक्यों का शुद्ध रूप :–

1. वह अपराधी दण्ड पाने योग्य है।
2. आप बैठिए।
3. भाई–बहिन खेल रहे हैं।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

उत्तर 14. (अ) शब्द युग्मों का अर्थ एवं वाक्य :–

1. अतुल–अनुपम

   वाक्य– उसका साहस अतुल है।

   अतल–तलहटी

   वाक्य– समुद्र के अतल में कीमती रत्न मिल सकते है।

2. आकर–भण्डार

   वाक्य– अन्न का संपूर्ण आकर उसके अधिकार में है।

   आकार–रूप

   वाक्य– वह भूमि चतुर्भुज आकार की है।

3. कुल–परिवार

   वाक्य– सुरेश अच्छे कुल का लड़का है।

   कूल–किनारा

   वाक्य– श्रीकृष्ण यमुना के कूल पर विचरण करते थे।

(ब) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन :–

1. जो विद्वान होते है, उनका सभी आदर करते हैं।
2. उसे फल खरीदने थे, इसलिए वह बाजार गया।
3. वाह! कितना अद्‌भुत दृश्य है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. (अ) फलों का सुरक्षित और दीर्घकाल तक उपयोग में लाने हेतु उसका अचार या मुरब्बा बना लिया जाता है। जो समय–समय पर काम आता है। इसी प्रकार क्रोध लम्बे समय तक सुरक्षित रखा जाएं तो बैर का रूप धारण कर लेता है।

(ब) निरंतर मेहनत और परिश्रम सफलता की कुंजी है निरंतर प्रयास करने से मूर्ख व्यक्ति भी विद्वान बन सकता है। अतः असफल होने पर भी बार–बार प्रयत्न करते रहना चाहिए। निराश और हताश होकर नहीं बैठ जाना चाहिए।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. लेखिका जेल में थी तभी अचानक एक रात बहुत पानी बरसा, बादल गरजे, बिजली चमकी इस स्थिति में उन्हें अपने तीनों बच्चों की याद आ गई। छोटा बेटा तो बादल गरजते ही मेरे पास सो जाता था लेकिन उसी क्षण उन तीन बच्चों की भी याद आ गई जिनकी माँ भी जेल में थी वो बच्चे कैसे सोते होंगे उनके पास तो घर भी नहीं है रहने के लिए। इस भयावह कल्पना से मन डर गया और आगे की बातें सोचने की हिम्मत ही नहीं जुटा पाई। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि ''हे ईश्वर! सब माताओं के बच्चों की रक्षा करना फिर मेरे बच्चों की भी रक्षा करना।''

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गांधी जी अपने पत्र में अपने पुत्र से आशा करते है कि तुम रोज शाम को प्रार्थना करते होंगे। प्रार्थना से आत्मिक शांति प्राप्त होती है प्रार्थना से हमारा सीधा संपर्क ईश्वर से होता है। रविवार को विशेष प्रार्थना में जाते ही होंगे उसका भी विशेष महत्व है। सामूहिक प्रार्थना में शक्ति निहित रहती है। सूर्योदय से पहले उठना और प्रार्थना करना तो सबसे अच्छा है। यह तुम्हें आगे आत्मिक उन्नति में सहायक सिद्ध होगी। प्रार्थना अन्दर के भाव से और निश्चित समय पर ही करनी चाहिए। यह नियमितता आगे चलकर तुम्हारी आध्यात्मिक एवं भौतिक उन्नति में सहायक सिद्ध होगी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत दोहा रहीम द्वारा रचित रहिमन विलास से लिया गया है।

प्रसंग :– प्रस्तुत पंक्तियों में रहीम जी ने दानी व्यक्ति के बारे में बताया है। लेकिन वे इसका श्रेय ईश्वर को देते है। इसका वर्णन किया गया है।

व्याख्या :– रहीम कवि कहते है कि धन संपत्ति देने वाला कोई दूसरा है। अर्थात् ईश्वर ही धन संपत्ति देने वाला है और वह रात–दिन भेजता रहता है। रहीम उस धन संपत्ति को दान में बांटते रहते हैं। दान लेने वाले व्यक्ति यह समझते हैं कि रहीम जी ही हमें धन संपत्ति दे रहे है। इस कारण से रहीम जी के नेत्र हमेशा झुके रहते है।

विशेष :–

1. आंखे झुके रहने का कारण वे ईश्वर को ही देने वाला मानते है।
2. दोहा छंद है। अवधी भाषा है।
3. नीचे नैन में अनुप्रास अलंकार है।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 2 अंक, विशेष 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत पंक्तियां वीर रस के सुप्रसिद्ध कवि भूषण द्वारा रचित शिवा शौर्य से उद्घृत है।

प्रसंगः– इन पंक्तियों में शिवाजी की चतुरंगिणी सेना का युद्ध क्षेत्र में प्रस्थान करने पर होने वाली हलचल का चित्रण किया गया है।

व्याख्याः– कवि भूषण कहते है कि जब शिवाजी अपनी चतुरंगिनी सेना (हाथी, घोड़े, पैदल, रथ) को सजाकर युद्ध विजय प्राप्त करने चले तो उस समय नगाड़ों का भीषण स्वर होने लगता है। अर्थात् सेना में उत्साह भरने के लिए

युद्ध के समय असंख्य नगाड़े बजने लगते हैं। उनके शोर से गलियों में हलचल मच जाती है। सेना के हाथियों की कनपटियों से बहुत अधिक मद जल बहता है, जो नदी, नाले जैसा रूप धारण कर लेता है।

विशेषः–

1. युद्ध क्षेत्र में जाती हुई सेना का बढ़ा चढ़ाकर वर्णन किया गया है।
2. अनुप्रास अलकार– भूषत–भनत नदी, नद।
3. ओज गुण।
4. वीर रस।
5. ब्रज भाषा।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 2 अंक, विशेष 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. अपठित पद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. मन की दुर्बलता व्यक्ति में निराशा का संचार करती है। सुख और दुख जीवन के दो किनारे है। जीवन में सुख और दुख हमेशा स्थाई नहीं होते है। सुख में व्यक्ति उत्साह से भर जाता है जबकि दुख में उसे निराशा घेर लेती है।

उत्तर 2. सुख दुख हमेशा मन पर प्रभाव डालता है। सुख दुख तो मन की माया है। दोनों ही जीवन में स्थायी नहीं रहते।

उत्तर 3. शीर्षक– सुख और दुख अथवा मन की दुर्बलता।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. शीर्षक– व्यक्ति और कर्म।

उत्तर 2. निरंतर कर्म करते रहना ही जवीन की सफलता है। कर्मशील व्यक्ति हमेशा व्यस्त रहता है। उसमें काम करने की लगन और

उत्साह होता है। धैर्य रखकर वह कठिन से कठिन कार्य पूर्ण कर लेता है। सुःख और दुःख में भी धैर्य धारण कर परिस्थितियों को अपने अधीन बना लेता है।

उत्तर 3. व्यक्ति निरंतर कर्मशील रहते हुए तथा दुख सुख को समान समझते हुए परिस्थितियों को अपना दास बना लेता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20.

अध्ययन की जानकारी देते हुए पिताजी को पत्र

26, मल्हार गंज, इन्दौर

दिनांक.....

पूजनीय पिताजी,

सादर चरण स्पर्श।

मैं यहां कुशलता पूर्वक हूॅ आशा करता हूॅ आप भी वहां सकुशल होंगे। आपका पत्र मिला। आपने मेरी पढ़ाई के बारे में चिन्ता व्यक्त की है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूॅ कि मेरी पढ़ाई बहुत अच्छी चल रही है। अर्द्धवार्षिक परीक्षा में भी मैंने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है तथा आगे की तैयारी भी बहुत अच्छी चल रही है। आप किसी भी प्रकार की चिन्ता न करें एवं अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

पूज्य माताजी को चरण स्पर्श कहियेगा। बंटी और रिंकी को स्नेह।

आपका बेटा
मयंक शर्मा
कक्षा–XII वर्ग 'स'

पताः–
श्री मोहनलाल जी शर्मा
ग्राम– घोंसला
जिला– उज्जैन (म.प्र.)

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्रति,

श्री सचिव महोदय,
माध्यमिक शिक्षा मण्डल,
भोपाल (म.प्र.)

विषयः– अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने के संबंध में।

महोदय जी,

उपर्युक्त विषय में निवेदन है कि मेरी कक्षा दसवीं की अंकसूची की मूल प्रति कहीं खो गई है। मैंने यह परीक्षा सन् 2009 में उत्तीर्ण की थी। अतः मुझे अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने का कष्ट करें। इसके लिए निर्धारित शुल्क मैंने बैंक ड्राफ्ट क्र. 36680 से आपके कार्यालय में भेजा है। मेरा संपूर्ण विवरण निम्नलिखित हैः–

1. नाम	–	अनुराग जैन
2. पिता का नाम	–	श्री महेन्द्र कुमार जैन
3. परीक्षा का नाम	–	हाई स्कूल सर्टीफिकेट परीक्षा–2003
4. परीक्षा केन्द्र क्र.	–	5072
5. परीक्षा केन्द्र का नाम	–	शा.उ.मा.विद्यालय, बैतूल
6. अनुक्रमांक	–	12251376
7. नियमित/स्वाध्यायी	–	नियमित
8. पूरा पता	–	अनुराग जैन पिता श्री एम.के. जैन सिविल लाइन, बैतूल पिन कोड 490002
9. संलग्न बैंक चालान	–	20/– दिनांक 21.10.2011

विनीत

अनुराग जैन

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. निबंध–

पर्यावरण प्रदूषण

भूमिका :– वैज्ञानिकों की चिन्ता में दूषित वातावरण रहेगा लक्ष्य, प्रदूषण का सदा, अस्वच्छ पर्यावरण इसकी शक्ति के आगे है झुके सब इसी से खतरे में पड़ा मानव जीवन।

पर्यावरण प्रदूषण एक गंभीर समस्या का रूप ले चुका है। इससे मानव समाज के जीवन–मरण का महत्वपूर्ण प्रश्न जुड़ गया है। हमारा दायित्व है कि समय रहते ही इस समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठायें। यदि इसके लिए आवश्यक उपाय नहीं किये गये तो प्रदूषण युक्त इस वातावरण में मानव जाति का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। आज मनुष्य अपनी सुख सुविधा के लिए प्राकृतिक सम्पदाओं का अनुचित रूप से दोहन कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप ही प्रदूषण की समस्या सामने आई है।

प्रदूषण क्या है? :– सबसे पहले हमारे सामने यह प्रश्न आता है कि प्रदूषण क्या है? जिसने लोगों का जीना हराम कर दिया है। जलवायु व भूमि के भौतिक, रासायनिक या जैविक गुणों में होने वाला कोई भी अवांछनीय परिवर्तन है, जो विकृति को जन्म देता है। एक और दुनिया तेजी से विकास कर रही है, जिन्दगी को सजाने–संवारने के नये तरीके ढूंढ रही है। दूसरी ओर वह तेजी से प्रदूषित होती जा रही है। इस प्रदूषण के कारण जीना दूभर होता जा रहा है। आज आसमान जहरीले धुएं से भरता जा रहा है। नदियों का पानी गंदा होता जा रहा है। सारी जलवायु, सारा वातावरण दूषित हो गया है। इसी वातावरण प्रदूषण का नाम है 'पॉल्यूशन'।

प्रदूषण के कारण :– इस समस्या के कारणों पर विचार से ज्ञात होता है कि अणु परमाणु विस्फोटों से फैलने वाली धूलों से वायुमण्डल और पृथ्वीमण्डल सभी विषाक्त हो रहे है जिससे रक्त कैंसर होता है। आज संपूर्ण विश्व तेजी से औद्योगीकरण की ओर बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप पग–पग पर, गांव–गांव, नगर–नगर, कल कारखाने स्थापित होते जा रहे है। इन कारखानों से निकलने वाले सड़े गले पदार्थ, रासायनिक पदार्थ एवं गैसे सभी मिलकर प्रदूषण को भयानक बनाते जा रहे है। नदी, सरोवर, वायुमण्डल सभी दूषित होते जा रहे है। वृक्षों और वनों को काटकर बड़े–बड़े नगर बसाये जा रहे है, भवन और बांध बनाये जा रहे है, ये सब प्रदूषण के प्रमुख कारण है।

पर्यावरण प्रदूषण रोकने के उपाय :– सारा परिवेश विषाक्त हो गया है, सारी मानवता संकट में है। अनेक प्रकार की नई–नई बीमारियों का जन्म हो रहा है। इसे रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाना अनिवार्य है। प्रदूषण की समस्या वैसे तो विश्वव्यापी समस्या है, लेकिन भारतीय प्रदूषण की कुछ अपनी विशिष्ट समस्याएं भी है। यहां प्रदूषण के बहुत बड़े अंश का दायित्व मशीनों और वैज्ञानिक प्रयोगों पर तो है, साथ ही हमारी निर्धनता और उससे उत्पन्न अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों और आदतों पर भी है। एक ही घर में गाय, भैंस, मनुष्य जहां साथ रहते है, एक ही जलाशय में जहां मवेशियों को नहलाया जाता हो और वहीं से पीने का पानी लाया जाता है, वहां प्रदूषण को रोकना अति आवश्यक है।

वायु प्रदूषण को रोकने के लिए चिमनियों में फिल्टर लगाये जाये, जो प्रदूषणकारी तत्वों को वायुमण्डल में प्रविष्ट न होने दें। जल प्रदूषण को रोकने के लिए आवश्यक है कि जल स्त्रोंतों में गन्दे पानी को न डाला जाये तथा उद्योग धन्धों से निर्गत पानी को भूमिगत किया जाये। पर्यावरण संरक्षण के लिए वनों की रक्षा पर विशेष बल दिया जाना चाहिए। वन और वनस्पतियां वायुमण्डल से कार्बन–डाई–ऑक्साइड ग्रहण करते है व ऑक्सीजन छोड़ते है।

वृक्ष पर्यावरण प्रदूषण को रोकने का सर्वोत्तम साधन है। अतः हम अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पर्यावरण प्रदूषण की हानियों से बच सकते है।

''यदि चाहते हो देश की सुरक्षा,
तो प्रकृति को सुरक्षित करना होगा।
यदि नहीं करते प्रदूषण से सुरक्षा,
तो कैसे हो पायेगी आत्मरक्षा।।

उपसंहार :– प्रदूषण के कारणों और स्वरूपों पर विस्तार से विचार करे तो सभी कुछ दूषित नजर आता है– हवा, पानी, पेड़, पौधे, अन्न। समय रहते यदि प्रदूषण की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व का विनाश निश्चित है। भोपाल गैस काण्ड एक बड़ी चेतावनी है पर्यावरण की सुरक्षा सामाजिक एवं सामुहिक उत्तरदायित्व है, सभी लोगों और देश को चाहिए कि वह मनुष्य को सर्वनाश से बचाने के लिए पर्यावरण को स्वच्छ बनावें तथा ऐसा कार्य न करें जिससे प्रदूषण की समस्या बढ़े।

(3+4+3 = 10 अंक)

– – – – –